घाह
मैथिली हाइकू ताँकाक संगोर

-:: मुन्नाजी ::-

अपना मनतब........... !!

मिथिला विद्वतार में सब दिन प्रतिथिठत आ चर्थित रहल। ऐ ठाम प्रारम्मिक शिक्षाक भाषा संस्कृत हल। तहिया पंडिते पंडित देखाइत छलाह। क्रमशः ओइ प्रारम्भिक भाषा सँ जहन मायक भाषा दिस लेखनीक प्रारम्भ मेल परिणाम विलग हल। कोनो नव सोच नै कोनो दूर दृष्टि नै। जे हेमनि घरि देखा पड़ल। वरन ई कहि सकँ ही जे ओ स्थिति बहुत दूर तक आइयो प्रसांगिक अछि।

मैथिली सहित्यक शुरूआत संस्कृतक उलथा अनुवाद सँ मेल अछि। श्चयिता लग नव सृजनक क्षमताक अभावक ई सुन्दर उदाहरण अछि। जँ अपन आँखि-पाँखि मैथिक लग रहितनित' मैथिली रचना मैथिलीक मौलिक रचना सँ सृजनक शुरूआत होडता ई त' प्रारभ्भिक स्थिति हल। आइयो बेशी रचनाकार उएह सनातनी सोच के उद्यैत अपन लेखनीक निवहता क' रहल छथि।

आब चर्चा करी ऐ विदेशी विघाक। ई संगोर हाइकू आ ताँकाक संगोर अछि। हाइकू मूलतः जापानी भाषाक विद्या थिक जे मूल विद्या क उ रूप गद्य आ पदय मे सँ पद्यक समकक्ष रारूल जाइए। एकर जन्मदाता जापानी कवि मात्सुओ बाशो (1644-1694) के मानल जाइए। बाशोक ई सृजन जापान में मूलतः सौन्दर्थआ भावक काव्य विद्याक रूप में चर्चित भेल।

सौन्दर्थ आ भावक ई काव्य विद्या बहुत छोट रूप में सोझाँ आयल। मुदा बहुत प्रभावशाली भ' संपूर्ण विश्व में अपन अस्तित्व पौलक। एकर सृजन क्रमशः पाँच, सात, पाँच आखर के तीन पाँति में लिखबाक परिपाटी विकसीत भेला चर्चित भ' विद्यमान अछि। होक्कु जे बाद में हाइकू कहएल ओकर दोसर रूप अछि ताँका (TANKA) ताँकार रचना ईश्वर के आहवान करवालेल प्रारम्भ भेल हल। अय में हाइकूक पहिल तीन पाँति पाँच, सात आ पाँच आखर कवि द्वारा लिखल जाइत छल। आगू दोसर कवि ओइ में सात-सात आखरक दू पाँति जोड़ि दैत छलाह। जे रूेगा कहबैत छल।

हाइकू लेखनीक प्रारम्भ हिन्दी सँ सीखिआ हिन्दीये भाषा में कण्ने रही। हमर पहिल दसगोट हाइकू पहिल बेर पटना सँ प्रकाशित दैनिक आज (10 जुलाई-95) में प्रकाशित भेल छल। ओकर पारिभिक स्वरूप बीस गोट टाका मनिआईर भेटल छल। जे तहिया झुझूआन लागल। मुदा ओ हमर हाइकू लेखनी के गति देलक। आगाँ चलि हिन्दी में लिखब बन्न भ' गेल। मैथिली मात्र में हाइकू लिखैत रहल हुँ जे निरन्तरता बनल अछि। पहिल बेर मैथिली हाइकू 'पल्लव' में प्रकाशित भेल छल। तहिया सँ एरून घरि सए से वेशी हाइकू आ बीस टा ताँका प्रकाशित भ' चुकल अछि।

हाइकू लेखन में निरन्तरताक प्रमुख कारण रहल ऐ विद्याक प्रति मैथिली रचनाकार सभक अभिजता वा अरूचि। पहिल बेर 1919 में रविन्द्र नाथ टैगोर द्वारा जापान सँ घुरलाक पछाति दु गोट हाइकू क' अनुवाद भारत में आनल गेल। ओहि टुनू हाइकू क' रचनाकार बाशो छलाह। मुदा मैथिली रचनाकार के कथा कविता सँ दूतर कम ग्यान वा ध्यान जाइत छन्हि। त अहू में उदासीनता स्वाभाविक। एखनो बहुत रचनाकार ऐ विद्या सँ अनभिज्ञ छथि। आशा करे छी जे मैथिली में हाइकू आ ताँकाक स्वतंत्र रूपें ई पहिल संगोर ओइ फाँट के भरवा में सक्षम हेएत।

शेष पाठक आ आलोचक सँ.............. मुन्नाजी

हाइकू

1. विलासिता में
फाँसल लोक सभ
आन्हर अइछ

2. देवाल काँच
सरकारी अधीन
खाम्ह पातर

3. दसगर्दा में
मेल सबटा काज
बुझू नाशहि

4. नवका सदी
उचाट सन बुझू
उजास भेटै

13. मंगल सुख
विज्ञान देखाबय
लोक बेहाल

14. सम्हारू थाती
भ्रम में नै बौराउ
दिशा में चलू

15. लोक मरल
नेताक बोल सुनू
भाव चढ़ल

16. कोट पहिए
काबिल कहाबय
विचार नीच

27. अन्तर्मन के
कम्प्युटसक ज्ञान
मंद करैए

28. शिक्षा नै दैए
सरकारी स्कूल
रोजगारक

29. युवक मन
भटकैत रहैए
दिशाहीन भ'

30. किशोरी सोच
दिशा खराब बुझू
नारीत्व बले

5. सपना देखि
उजासक बाट में
अन्हर मारि

6. विआह बेर
सिरखारी देखू नै
गुण के देखू

7. तानाशाही में
अधिकार छीनल
गुण के देखू

8. बम वर्षा में
शासक केर हाथ
लोक फँसल

9. हृदय तंग
कोमल अछि आँखि
शरीर काठ

10. बेर-अबेर
समाजक असरा
मानवता मे

11. अज्ञान नेता
जन जन भूखल
स्वर्गक सुख

12. पड़ोसी देश
आतंक पसादैए
मूक दर्शक

17. फैशन देखू
सिरखारीक बीच
कपड़ा छोट

18. शरीरे धारब
करम विहिन अछि
लोक डरल

19. आतंकी चालि
बोल भरोस द' के
दिन गुजरै

20. अगिला पीढ़ी
संक्रमित अइछ
निफिक्र बुझू

21. जीवि हताश
ताकय नव बाट
मरबा लेल

22. अंशुल स्वर
माला संग गाँथल
कतय गेल

23. हेराफेरी मे
समय गमाओल
आब भेटत

24. गोलू आ भोलू
नाम नै पात्र अछि
जीवन केर

25. अंकल अंटी
कहियो संबंध नै
अंग्रेजियत

31. नारीक रूप
सृजनक आयाम
नव करैए

32. जट्टा बढ़ाकय
जोगी नै भ' सकय
संत महात्मा

33. चूप त' रहू
अन्हेर भेला पर
मूँह नै जाबू

34. फेर सँ देश
विदेशी चाँगुर में
फँसि जएत

35. अकाशी सोच
जीवन अवरोध
जमीन खाली

36. नव सोच सँ
परम्परा विलिन
जीवन शुन्य

37. निन्जा आ डोल्फी
जिनगी अवरूद्र
समलिंगी भ'

38. ध्वस्त किला सँ
पहिचान धुमिल
शाही शानक

39. फैशन युगे
बैढ़ैत प्रदुषण
जीव बेहाल

41. क्षीण होइत
माय बाप पूजन
प्रेमी दिवस

42. पाक भैयारी
बंग्लादेश बहिन
भारत माता

43. पड़ैछ भारी
सृजनकर्त्ता नारी
सब रूप में

44. करै सम्मान
नतमस्तक भए
सतत नारी

45. दृश्य अदृश्य
सहचर बनिक'
चलैए नारी

46. जावी नै मुँह
जीवटता में भारी
पड़त नारी

47. खेल बिगाड़ि
पदक पेवा लेल
सक्रिय देखू

48. दारू पीवि क'
आचमन करय
समाज सेवी

26. नेनमति में
बेटा राजकुमार
पैघ में बुद्ध

55. हिया कठोर
सिनेह करायल
प्रेम पार्क में

56. संबंधी दूर
पाईकेर खातिर
कमाई मोट

57. जीवट देखू
झाँपल उधारय
चोरि नुकाबै

58. पाथर फेकय
काँचक घर वसि
दुनिया देखय

60. डेलबाह भ'
परोपकार करय
दिन बिताबै

61. भोज जेबार
बाप घैहर काटि
जेब भरय

62. बेटी बैरिन
बटा के दूध भात
ऊँक बेटी सँ

63. समाज दोहाई
भीड़ भूक दर्शक
जन विरोधी

40. बढ़ि रहल
तकनीकि युग में
बेरोजगारी

69. तुम्मा फेरी
सटक सीताराम
नाम गायब

70. विकास केलौं
दोबारा सँ जीतव
विरोधी शांत

71. गहींर दोस्ती
जग कैल विछवंस
खुशी भेल

72. बाढ़िआयल
मुख्यमंत्री धनिक
चुड़ा बटल

73. निशाँ चढ़ल
सब सत्य कहलनि
लोक सम्य

74. अईठ धौ के
कोठा कोठामे मेल
प्रतिष्ठा पैध

75. मूसक बिल
सता में भागीदारी
वास साँपक

76. छुच्छे प्रचार
जातिक फुटौव्वल
मिथिला राज्य

49. लोक विगाड़ि
व्यवसाय चलवै
जेब भरय

50. कुटनीति सँ
दोकान चलाबय
चाणक्य फेल

51. निर्मम हत्या
थपरी बजाबय
चिन्हास गूम

52. देबाल दाहू
ठाढ़ करू मकान
समैये चलू

53. ढ़ेकी कूटब
विसरि गेल लोक
बेसाहि खाउ

54. ठोकरा छोड़ि
ओठंगरक विधि
उखशीये मे

64. लोक भेटल
किसिम किसिम के
सोच एकहि

65. सुरा सुन्दरि
पाइये अहंकार
सब डूमल

66. जीवन व्यर्थ
जन्मदाता धमंडी
विनू सेवाक

67. ताकू नै बाट
फगुआ बदरंग
कारिख पोतू

68. नाम बदलि
साइबर क्राइम
पकड़ा गेला

77. अल्लाक देन
पेटभरैले भारि
कान मुनैछी

78. गारि गज्जन
पेट भरैए एतै
कान मुनै छी

79. जतन भरि
पोसि पालि ररूलौं
नि भरोस छी

80. आक्रांत शहर
सरकार उदास
असगरे छी

81. घटल जग्गह
बनै बीस मंजिला
लोक बढ़ल

82. पूत कमाऊ
बढ़बैए इज्जत
शेष बेकार

83. बढ़लै मन
मंगल पर लात
नीचाँ प्रदुषण

84. गर्मी बढ़ल
छटपटा रहल
ताकी छाहरि

85. सुरू सुविधा
बढ़बैए बीमारी
गमैये नीक

99. डाक्टर मृत्यु
मंत्रीक आश्वासन
इंलाज सही

100. ज्ञानक फोक
पवैए पुरस्कार
लगा जोगार

113. फूलवाड़ी में
दुखी राजकुमारी
राजा बौसैए

114. सुनू पिहानी
आव बचल अछि
कतेक रानी

86. पाइक जोर
वासमति चर्चित
भात भूरूल

87. अंग्रेजी असर
मैथिली बिसरल
चाही मिथिला

88. पहिए पाग
मंगै मिथिला राज्य
छुति जातिक

89. नवका पीढ़ी
तकनीकीक जोर
संस्कार हीन

90. एहेन पढ़
टूटौ बरू समाज
बचौ घर

91. बदलै युग
चाही नै मजदूर
सब मशीन

92. जति निषेध
बनैए आतंकवादी
समरसता

93. बाट में खाधि
बदलै ठीकेदार
बानर बाँट

94. गला खराप
पहुँच उपर मे
नामी गायक

101. पानि में माछ
छप छप करैए
हमरे जकाँ

102. छोड़ि खेलौना
बन्नुक पकड़ल
ताकू भविष्य

103. निश्छल मोन
कँटायल जाइछ
बाँचत कोना

104. हथिनी रानी
शेरक शासन में
कहू राजा के

105. तीक्ष्ण छै बुधि
नमहर छै डांग
ज्ञान कहिया

106. अछि बेहाल
फड़फडाइ पौखि
चिड़ै उड़ल

107. सोरहा भेलै
नेना छै होसगर
पैधे बताह

108. सोरहा भेलै
नेना छै होसगर
पैधे बताह

109. भ्रमित मोन
तकनीकी पढ़ाई
काज त' हेतै

115. भ' गेल भोर
कोइली कुहकैए
नव जीवन

116. कुचरै कौआ
मुर्गीयो दैए बाँग
भेल विहान

117. गाय बथान
नेना अछि भूखल
दूध निपत्ता

118. शीतलपाटी
आव चैन नै दै
नेना सवके

119. बेना नै चाही
बिजली पंखा तर
चैन तकैए

120. हिटला लगा
हिरला गेल टूटि
घुघुआ झूल

121. लाल चटनी
चाटि चाटि कनैए
मोन बुझाऊ

122. राग रागिनी
संस्कृत केर श्लोक
मोन मे राखू

123. नव दुनिया
पढ़ल लिरूल भ'
रचना करू

95. समाज बोध
खुजि गेल अकल
बोनिहार नै

96. आइ लव यू
बरू हिया नै मिलै
आत्माक हत्या

97. गोत्र ज्ञान नै
बैसैए पंचायत
सजा मृत्युक

98. जन कल्याण
गरीबी बेसुमार
दाम बढ़ल

110. चोर सिपाही
खेल बिसरायल
विडियो गेम

111. राजा आ रानी
मोन बहटारय
ज्ञान नै दैए

112. चलैए रेल
छूक छूक करैत
पटरी पर

128. पाग दोपटा
छटि रहल ऐछ
ऐटयाशी लेल

124. मंगल ग्रह
वैज्ञानिकक खोज
जीवन ताकू

126. दगा देलक
अपन लोक सब
कोना बचब

127. भरोस राखू
भगवान मालिक
नीक करम

129. प्रेम विआह
परिवार बाधक
भागि निकलू

130. धान में बाढ़ि
गूमि में अकाल
भूखले मरू

131. थाती जोगऊ
बैसू नै निकम्मा भ'
हँसी हएत

132. सुर्यक ताप
लौक के जराबय
चान दाहरि

133. मैथिली भाषा
हिन्दीक प्रभवसँ
हेरा रहल

134. बहुरूपिया
प्रचलित स्वांग के
अछि बचेने

135. कमला कात
बालूक भीर भेल
दुब्बर गात

136. वसात बन्द
गरमीक ताप सँ
उजास नहि

137. निर्मल मन
पाइक खगता में
चोरि कएल

138. भारत-पाक
कारा पर निर्भर
अमेरिका सँ

139. रोगक मुक्ति
योग सँ नै हएत
दबाई बले

140. लोकक लेल
प्रकृति बदलैए
नियंत्रण नै

141. कोखिन सब
अंर्तराष्ट्रीय घंघे
पेट पोर्सेए

142. नामरद के
दोसराक शुक्राणु
संतान सुरू

143. प्रेमक मोल
घटि रहल ऐछ
ऐटयाशी लेल

144. कलाआ प्रेम
बन्हएल नै ऐछ
कोनो सीमा में

145. पंडिताई में
बहुत अछि पाई
मुर्खों धन्धामें

146. गुलाबक फूल
कँटाह भ' जाइछ
घृणाक बेर

147. नेवोक खट्टा
सिहरावय देह
फायदा देत

148. उष्मीयता में
घघकि रहलछी
कान पथने

149. सेवा भाव सँ
नै चलत जिनगी
बाट बदलू

150. सामाजिकता
रासि बड़के लग
हम छी चूप

151. पायलट सँ
आशा कतेक राखू
बिनु विमान

152. कहिया धरि
धीरज के बचाऊ
साँस रूकत

153. जमघट छै
मात्र सबतरि में
काज कतौ नै

154. देसी मुर्गी के
भेल बिलैती बोल
कोना चलत

155. पहिने छौड़ी
छल पैष्ट हाफ में
आव साफे नै

156. छीदगैर के
लाज लिहाज नै छै
फैशन बुझू

157. छै अशिक्षित
अंग्रेजिया सनक
रोआब देखू

158. कर्त्तव्य देखू
ढ़ीढ़ोरा मात्र पीट
काज चलत

159. पाकक ठेसी
अमेरिकाक बलें
भारत पर

160. नेवोक खट्टा
सिहरावय देह
फायदा देत

161. कोइलीक बोल
सुनैक जिज्ञासा सँ
सकून दैछ

162. बिलाड़ि द्वारा
बाट काटब बुझू
अपशकून

163. गोलैसी दूर
केलाक बाद बुझू
इमानदारी

164. कोनो बसात
सिहकवा सँ आव
सिनेह बढ़ै

165. घराड़ी बेचि
शहरूआ भेलहुँ
नाम निपत्ता

166. डाँग पड़ल
सरकारी टैक्स सँ
बोझ बढ़ल

167. चीनक बोझ
उद्यैए सरकार
जनता चुप्प

168. फीजीक शान
भारत में नै ऐछ
नाम निशान

169. ढ़ोल पीपही
बैण्ड बाजा तर में
अन्हरा गेल

170. बेर ठुमकै
बहुरियो छमकै
नेना बेहाल

171. माछ निपत्ता
दोगला आविगेल
गोन मानल

172. झाड़ू नै मारू
चिकनएत फर्श
बाइपर सँ

173. दहेज के नै
प्रशिक्षित कनिया
हएह माँगू

174. दिखावा पर
जिनगी नै कटत
होश में आऊ

175. दारू मात्र सँ
गाम के नै बिसारू
विहान आनू

176. विहनि कथा
अभिनव प्रयोगे
उठि बैसल

177. गजल आव
मैथिली में जमल
विदेह देखू

178. दूध आ फूल
ओसरि गेल आव
कचोट ऐछ

179. विमुख भेल
रचनाकार सब
फेर जुमल

180. चान के देखि
इमामक घोषणा
खूजैए रोजा

181. तजिया मात्र
प्रतीक बुझबैए
मोहर्रम के

182. सूर्य पूजित
हिन्दु मात्रक लेल
बुझू पवित्र

183. मुक बधिर
होइए बुद्धिमान
आम लोक सँ

184. मौगी उठल
दबि गेल पुरूष
शिकार भेल

185. पहाड़ में सँ
बसात बहल त'
प्रकृति भेट

186. अपन आस
शहर पुराओल
गाम छोड़ल

187. कलाकारक
कष्टमय जीवन
विचौलिया सँ

188. पूजा मूर्त्तिक
रूपैया सेवकक
जश्न में दारू

189. दलाइलामा
तिब्बतीक दुश्मन
मर्धक गुरू

190. लिख किताब
सच के क' देखार
तस्लीमा गुम्म

191. समाजवाद
आंग सान सुकीक
नजरबंद

192. श्री रामदेव
प्रकृतिक नाम सँ
पाइक देर

193. पजेबा काँच
ठीकाकेरमकान
भसैक गेल

194. नारी पीड़ित
प्रमोशन पीड़ित
तें मूँह बन्न

195. नोकरी नीक
भीतर में गञ्जन
एयर होस्ट

196. हाक सूनल
मारि खेवाक डरे
बचौलक

197. भोगने बिना
जीवनक दर्शन
सत्य सँ दूर

198. अग्नि पीढ़ी में
हो हल्ला भेल बेशी नै
काज में शुन्य

199. मैथिली मध्य
ओलि वसुली के
समीक्षा बुझू

200. जाति पाँतिक
भेदभाव घटल
समरसता

201. इलाज भेल
हास परिहास सँ
रोग छूटल

202. आव ऐछ नै
जीवनक विक्षोभ
कमौआ लेल

203. लोभ बढ़य
मोनक भ्रम तति
आत्माक हव्या

204. कौरव जन
द्रौपदी के उधारि
मर्द भेलाह

205. गर्मघारण
विज्ञान सहयोगी
प्रकृति मारि

206. बुढ़ारीपन
आंगनक निंधेस
अवस्था दोष

207. माछक गंद्य
वैष्णव भ' उदास
ताड़ी मे लीन

208. छंद के मारि
कवि बदय आगू
चर्चित छथि

209. पाकक फेरी
सेना अछि उदास
नेता सटल

210. गाम मे रहि
कठ कोंकाडि बुझू
निठल्ला भेल

211. फाँटि राखल
पजेवाक देबाल
शान बढ़ल

212. कैंचा खातिर
करय मारा काटी
सब बेहाल

213. जीवन चक्र
बाट बहकाबय
ठमकै लोक

214. पेट भरय
अगहन मास में
आँटी अगों सँ

215. सदाचरण
स्वर्गक प्राप्ति बुझू
मंगल मय

216. राम के नाम
मन शुद्धिक मार्ग
प्रणय मुक्त

217. मन मोहन
संसार भरि पूज्य
राधा विरह

218. प्रेम मिलन
समय बहटारब
क्षणिक सुख

219. असली सेवा
मातृ पिताक सुख
जिनगी पुर

220. पर्वत वासी
महादेव पार्वती
सब सँ श्रेष्ठ

221. मधुर वाणी
जनहित सेवक
संयम राखै

222. वीजी पुरूष
अस्तित्व कमजोर
नारी दमन

223. पान सुन्न में
जीवाक अभिलाषा
उपर उठि

224. पहिने छल
शिक्षित बेराजगार
आव ट्रेण्ड भ'

225. हताश अछि
पढ़ला पछातियो
बिनु नोकरी

226. काहि कटैछ
बेटा अछि बाहर
दुदारी शुन्य

227. भागा दौड़ी में
ठमकल जीवन
व्यर्थ समय

228. सन्ता उधार
सभदल के जोड़ि
विचार भ्रम

229. माया में फँसि
तनाव मुक्ति चाही
योगक द्वारा

230. विल विलौन
मंगनी भेटल चीज
संतुष्टि नहि

231. प्रेम होइछ
अवैद्य संबंध में
गलाक फाँस

232. नेनमति में
निफिकिर जीवन
भरल मन

233. हरियरी नै
ठूंठ भेल जीवैए
बूढ़ मनुक्ख

234. पोसैए बेटा
भविष्य नीक लेल
जिनगी भ्रम

235. दूध उधार
सतवैए सतत
चुकेवा लेल

236. नारी श्रद्धेय
सब जनैत अछि
बलत्कारी नै

237. कुमारि रही
पालने छलौ सौख
भेटल भूर्ख

238. पर्यावरण
प्रदुषित होइछ
बढ़ैछ ताप

239. गोलू आ ढ़ोलू
जंगल में रहिक
मित्र भ' गेल

240. नेना भुटका
खेलै पर दैजोर
पढ़त कोना

241. झूला मे पूत
भविष्यक कामना
नीक संकेत

242. खेलूआ कुदू
बनि जाउ नबाब
पढ़ब नीक

243. चानक गोल
सुरूज केर मोल
अछि बहुत

244. सामा चकेवा
मिथिला में पावनि
प्रेम प्रतीक

245. पूस आ माघ
समय कठिनाह
लोक दुखित

246. वन मानुष
नाटक सँ पहिने
मनुष भेल

247. झिझिर कोना
मिथिलाक लोकक
संस्कृति अछि

248. नजरि गरा
लोक ओझरायल
झगड़ा दन

249. भीम अर्जुन
मात्र एक पात्र नै
शाक्ति प्रतीक

250. बर्फ जमल
आनंद उठाबय
ठिठुर मरै

251. बाढ़ि घटल
पलार पर माछ
तीमन महग

252. छै खुरलुच्ची
करनी छुतहर
नाम उपर

253. मूस लागल
आम आदमी चुप
विकास कोना

254. जीविका शून्य
शहर पठाओल
पेट भरल

255. सुपती काज
काँच बाँस लिबल
ओधि गड़ल

256. हिम पहाड़
दैए गंगाक जल
भेटै पियास

257. अखम मास
अगिलगी भेलैक
पानि पटेलौं

258. बहरी रहि
दिवस गमाओल
गाम उजाड़

259. महत्व खूव
एलो विरा नाम सँ
धृत कुमारि

260. उखड़ि मुँह
समाठक नै डर
समांग ठीक

261. छाती घड़कै
चोरिक बेर पर
घोआ होती में

262. श्याम निपत्ता
पथ हेरथि राधा
ढ़ेर विकल्प

263. मुख पुरूष
मौगी के अगुएने
कियो नै पूछै

265 जंगल राज
समाजवादी ढ़ोग
जनता त्रस्त

266. नारी के सत्ता
महिला आरक्षण
पुरूष पाछू

267. भगड़ा वन्न
सीमा पार आतंक
सब प्रसन्न

268. शान्तिक दूत
देश में तोड़ फोड़
सत्ता वाँचय

269. दीगर जाति
सिनेह अहिवात
जातीय हिंसा

270. मलीन बस्ती
सहयोग बस्ती
धाही पवैत

271. रौदक घाह
जिनगीक शकून
जीवन सफल

272. मालाक जाप
बेइमानी पसिन्न
नास्तिक बुझू

273. प्रेमक फेर
धरैतिनक चाह
धुमिल भेल

274. कसमकस
धरोहिलागि लोक
बलही बोझ

275. जीवि उधार
सूदिखोर भरोसे
जिनगी सुन्न

276. हिम दुर्शन
अराबली पहाड़
बाढ़ि भागल

277. विपक्षी पाटी
जीवन राग अलोप
भाँट बनिके

278. एक एकैस
शुन्य सँ सयधरि
गिनती खाप

279. अपनापन
सरोकार कोनो नै
संबंध जोड़ू

280. उड़न परी
देशक नाम ऊँच
कोनो पूछ नै

281. जीवटगगर
अपराधी डरय
सब प्रसन्न

282. टेनिस मैच
क्रिकेटर धनिक
वाँकी गरीब

283. नौड़ी अभाव
अमींरीक धमंड
चाकरी खयं

284. सोझ के पाइ
विकलांगक मेला
समरसता

285. लोक कार्टून
पशुक व्यवहार
चलै संसार

286. चीज महग
खेतिहर भूखल
नौकरी नीक

287. नारी जीवट
पुरूष पर भारी
हारि मानय

288. कैंचा अभाव
रोजगारक कमी
पेट भूखल

289. मासूल ताकव
गाम बेरोजगार
शहर चलू

290. दिशा विहिन
मुरूख रहिगेल
खाली फुटानी

291. वन झाँखड़
मौसमक खराबी
वन नै काटू

292. उदास मोन
समृद्धि के जोहय
चंचल रहय

293. प्रेमक जोड़ा
रास रचैया कृष्णा
राधाके संग

294. गरम हवा
सब के सताबय
पंखा चलाउ

295. भानस भेल
नोन तीमन चीखू
महात्मा बनू

296. खेत बचाउ
बाबाजीक जिरात
लड़ाइ लड़ू

297. भरल थारी
सपना देखाबय
दारूक जोर

298. करू अन्याय
जपैत रह राम
गुरू पूजित

299. युवा भरोस
चिन्ता नै गुजर
प्रशिक्षित सँ

300. घर आंगन
सुन्न पड़ल अछि
गाम वाँचल

301. लोकतंत्र मे
जनमत संग्रह
ध्रुवीकरण

302. वर्दीधारी
सुरक्षाक मजाक
सता भरोसे

303. कृपाण धरू
असमानता रोकू
शेष मेटाउ

304. ऋतु दर्शन
ऐटयाशी के फेर में
धन संकट

305. निर्मल चन्दा
मन करै विभोर
तिमिर संग

306. समुद्र तट
रमनगर मोन
प्रकृति भेट

307. गरजै मेघ
बादल बरसय
नाचय मन

308. ढ़ोल मृदंग
नचाबय डाइन
भगतै देखू

309. दिलेर मन
अवसर चाहय
कतौ भजाउ

310. चुगलखोरी
कचहरीक दौर
लोक आदर

311. पाइ कमाइ
दोसर भगवान
लोक प्रसन्न

312. करिया कोट
दियावय न्याय
नियम खोट

313. रमल मन
छौड़ी मौगी शिकार
महात्मा भेला

314. सताक भूख
दलगत भावना
फेर बदल

315. उड़ैत मन
लोक दानव भेल
अपने बचू

316. लाठीक मारि
संजोगै घरोहरि
होय खिघान्स

317. अपटी खेत
उपजैक सवाल
प्राण बचाउ

318. तरूण स्वर
तिरंग केर लाज
देश बचय

319. जिया जरय
रहय उताहुल
प्रेम प्रसंग

320. पेट बोनिया
उसरल घराड़ी
मौज मानउ

321. किसान मेला
बेसाहक रूखि नै
कपार धुनू

322. तूराई छोड़
उष्मीय बदलाव
नंगटे चलू

323. ढ़ेकी उक्खड़ि
तकनीकी संपत्त
हेमनि चीज

324. जीवन चक्र
विज्ञानक हनन
पोषण तंग

325. आंगन सुत्र
जगह भेल तंग
घर सजाउ

326. खेत पथार
जमीन जायदाद
गामक लोक

327. अरजू धन
पुरखाक संपत्ति
झूठे गुमान

328. सड़क छाप
घसमोरि बैसय
कारे दौड़य

329. खैरात बटय
सरकारी देवान
धनक लूट

330. पाक धमकी
सत्ताधारी निश्चिन्त
हिलल देश

331. जाबी लागल
सुन्दरताक वौस्त
जनम दात्री

332. पड़ोसी राजा
दोसराक भरोसे
आतंक बाँटे

333. दूत पठावै
दादागिरि करय
फेर निश्चिन्त

334. कमाउ खाउ
समाज के बिसरू
बहिया राखू

335. रंगरसिया
पलखति लियय
भइया मौजी

336. बाबा मूइला
यमदूत पैसल
स्वर्ग बनाउ

337. विकास बढ़ल
सुख सुबिधा भोगू
जीवन घटल

338. जिनगी कम
पढ़ि लिखि बेकार
भोमू संसार

339. कने विलमू
अपन बाट घरू
सुख सँ जीवू

340. धूमै पहिया
जिनगी के बढ़ाउ
जागल रह

341. पाँति में बढ़
रूसल के नै बौंसू
कतिया जाउ

342. विश्वास मत
अधिकार जमाउ
खाउ खेलाउ

343. समाज पैध
जतियारीक दोष
ताकू अपन

344. वेद पुराण
कंप्युटर जीवन
छोट जिनगी

345. टटका बात
सपना में देखार
योजना लागू

346. आशीष दिय
पवित्र बंधन
लाज बचाउ

347. दूधक लाज
मातृभक्तिक संग
पूत कपूत

348. हिरण गंध
सौसे दौड़ल फीरू
वन बचाउ

349. जिनगी बोझ
समलैंगिफ प्रेम
भेल देखार

350. जाँत समाठ
समांग मिल पर
मात्र प्रतीक

351. अलक नंदा
पवित्रताक दंभ
गोकुल धाम

352. विरह योग
आँखि मे पसरल
राज तिलक

353. जीवन धारा
भागि रहल अछि
प्रेम विरल

354. मौगी पुरूष
नावक पतवार
खेवैया ताकू

355. विलहि देल
अनाजक पथार
बेसाह खाउ

356. विहनिकथा
सृजनक विचार
विरोध जारी

357. ललका पाग
महिला सहयोग
मौर उतारू

358. तरूआ तरू
मिथिलाक आदर
जिनगी वोर

359. मान सम्मान
कर्त्तव्यक पालन
घोर विरोध

360. कबूल करू
तहजीब मे रहू
निकाह भेल

361. गिरिजा घर
सेवा में आगू रहू
ईसा मसीह

362. अकाल तख्त
सेवादार प्रसंग
गुरूक सेवा

363. कबुला पाती
भगवानक आस
गोद भरल

364. ज्योति प्रकाश
सुरूज भगवान
अन्होर बचू

365. अहिल्या थान
पाथरक मुरूत
मुक्ति भेटय

366. जान गमाउ
उच्च पथ भेटल
सुविधा भेल

367. घर भीतर
शुलभ शौचालय
रोग घटल

368. निर्मल गाम
स्वच्छता अभियान
नव आदर्श

369. कल्पना करू
सही दिशा में चलू
यथार्थ भोगू

370. ईशान कोण
ज्योतिषीय बखान
दिशा बदलू

371. तनाव मुक्त
साजो समान संग
दुनिया देखू

372. खराप रोग
निरोध अपनाउ
जीवन दान

373. मन मनाउ
जनसंख्या के रोकू
देश बचाउ

374. नव पल्लव
कुरसी बचाओत
भविष्य बोध

375. खेल देखाबै
रोमांचित करय
पेट बोनिया

376. पैजामा कुर्त्ता
लखनवी चिकन
नवाबी शान

377. कला देखाउ
मधुबनी पेन्टिंग्स
नाम कमाउ

378. बाबाक डीह
घरोहर बनल
ताकू मकान

379. पुरना लोक
अधियाइत रहै
धीरज धरू

380. धीया बढ़य
नारी शोषण बन्द
पुरूष ताकू

381. जीवन संग
बाट भुतियायल
सोच बदल

382. युग विचार
सांसारिक बोधन
पथ दर्शन

383. धन कुबेर
भूतियाएल पथ
नाम डूबल

384. बेटी आयल
रौनक हेरायल
पालि बढ़य

385. तेल महग
डिविया मिझएल
बिजली गुल

386. धरना करू
अधिकार भेटत
एक भ' जाउ

387. आतंकवादी
अधिकार माँगय
शासक बुझू

388. डरय बाबू
भ्रष्टाचार बढ़ल
कमाइ खूब

389. चुकाउ बिल
मौज मस्ती घटल
पाई बढ़ाउ

390. जंगल झाड़
आसकतिक दैर
बुझू मिथिला

391. लाउ कहार
जतरा फेर करू
कनिया वर

392. ढ़ेकी कुटिया
उसरन भ' गेल
मील पाथर

393. चुड़ा भेटय
ठोकरा गेल विला
कूटब कोना

394. घास निपत्ता
खुरपी विला गेल
भूसा ताकू

395. चार छारल
खढ़क मोल कहाँ
छत पिटाउ

396. पायल बाजे
चोर जागल अछि
गहना छोरू

397. घैल छूटल
पानि नै छुआइए
घैलची भरू

398. भनसा घर
चिनवार टूटल
मछाह भेल

399. कुरूप रूप
लूल्हो उठि बैसय
लैंगिक भेद

400. बेटी मारब
बूदक सहयोग
बेटा निपत्ता

401. बाढ़ि घटल
अस्तित्व बचाा राखू
मौसम नीक

402. धार भरल
फसिल हरियर
दहार भेल

403. जोकर बनू
चलू समय संग
समाज छोडू

404. गाम शहर
पहर दू पहर
भारी पड़ल

405. फौजी रक्षक
राष्ट्रभक्ति मे लीन
सुख तेजय

406. भाई दलाल
खाली अर्थ जोगार
संबंध तोरू

407. लोक बचय
हथियाक नक्षत्र
धानक जोर

408. सिन्नुर चुड़ी
नवरात्र आयल
विलहि दियौ

409. धर्म बचाउ
सौजनिया बनाउ
सब परार

410. पसार रोकू
अनजनुआ बच्चा
कंडोम राखू

411. बरखा बन्द
करीन विला गेल
किसान चुप

412. कठही गाड़ी
म्युजियमक बौस्त
भेटै नै आव

413. नारक टाल
भूसा ढ़ेर लगाउ
जरसी गाय

414. गोरहा पाथू
टाकाक साधन
गैस जराउ

415. गहूम घोड
पूजा पाठक लेल
पेट भूखल

416. मौगी अगुआ
धरोहर बनल
बेटी बचाउ

417. आगि लागल
पक्का घर बनाउ
पानि घटल

418. माताक भक्त
सुसंस्कारी बालक
दूधक लाज

419. पढ़आ भाइ
घटल रोजगार
निकम्मा छथि

420. भाइ बहिन
संबंध कमजोर
पाइक फेर

421. जन कल्याण
हाथीक दाँत बनू
सेवक बुझू

422. फिरंगी राग
सनातनी शासन
टिकी बढ़ाउ

423. डिलक्स धूप
कब्र पर जरय
आस्तिक छथि

424. खेतक अन्न
गोदाम में सड़य
पाइक भेट

425. मूसक बिल
अनाजक उजाड़
दवाई छीटू

426. देव पितर
नाम बेचि के खाउ
प्रार्थना करू

427. मीत बनाउ
अपन हीत वास्ते
जेब कटाउ

428. दरियादिल
कोठा वाली से दोस्ती
कनिया आन

429. झाँसीक रानी
सरोजनी नायक
सोनिया गाँधी

430. बेली चमेली
गमकल फिरय
गुलाब बाँटै

431. जय किशन
गोकुल धाम सुत्र
राधा विरह

432. पातर धार
शान्त भेल महाड़
खेत सूखल

433. पोखरि कादो
पानिक हाहाकार
माछ निपता

434. चौल करय
दिअर आ भाउज
ननदि नाम

435. जगद गुरू
जन-जन कृतज्ञ
परम हँस

436. ईसा मसीह
अदृश्य रूप छनि
मुक्तिक द्वार

437. टांग धीचल
नरकक दर्शन
मानव मंत्र

438. जायजसन
कुकरम के बाट
आँखि मूनल

439. उठि बैसल
अधजल गगरी
बोल भरोस

440. सीमान पर
सदिखन चौकस
सेना जवान

441. दियाद वाद
भैंसक सिंह बुझू
कटैत जूता

442. सामा चकेवा
भाइ भाइ कटैए
रक्षा हएत

443. घर जमाय
निपुतराहा शोक
बूढ़क लाठी

444. पाग दोपटा
आदरक प्रतीक
मुरेठा बान्हू

445. अमर वाणी
अपने वाक लेल
शुद्धि मन सँ

446. सागर जल
पैसि भजारू थाह
शुद्धिक बाट

447. नीम हकीम
जड़ी बुटी सेवन
स्वस्थ रहय

448. हिलरा झुलू
हरियाएल मोन
साओन मास

449. गौआ घरूआ
सब भेल पड़ौआ
पड़य मोन

450. वेदी मड़वा
मिथिलाकेर शान
बचा क' राखू

451. चोर सिपाही
मिलि खेलय खेल
आँखि मिचौनी

452. दील हेरय
ब्यूटी पॉर्लर घूसि
चेहरा गोर

453. समाद सुनू
चिëी बिसरि जाउ
कुशल क्षेम

454. दूजक चान
अमावश सतिक
कोन फिकर

455. हिलोर मारय
अपन छाती फैल
दोसर डांग

456. गंगा जल
हिमालयक वास
सब पवित्र

457. झंडा तिरंगा
भारत क शानद्दी
झूकि नै पावै

458. संगम सुधा
नागा वावा प्रदर्शन
प्रयाग मेला

459. घंटी बाजय
कोलाहल मचय
पट खूजल

460. ढ़ोलक थाप
समय सोहाओन
रसन चौकी

461. ताल बेताल
डरबैत रहैए
भूत बंग्ला

462. ढ़ोल मृदंग
गहवरक शान
भगतै करू

463. मारा इचना
सबटा गेल बिला
दोगला खाउ

464. दबंग नेता
सत्ता बचा चलय
शान्त जनता

465. साधु चलल
भ्रष्टाचारी भागल
देश बचाउ

466. गोटा किनारी
भगवतीक वास
लाल चुनरी

467. रक्तक दान
चरसीक प्रसादे
जीवनदान

468. लंदन यात्रा
सुखक सरोकार
नेता प्रसन्न

469. घर भरल
निरोध के विरोध
अल्ला के दुआ

470. हिंसक तत्व
देश पर काबिज
लोक निडर

471. जोगार करू
सफलता के चुमू
उपर चढ़ू

472. दहेज शुन्य
भगवती दर्शन
कन्याक दान

473. मुफ्त विआह
दहेज परहेज
लक्ष्मी पौलहुँ

474. निर्मल वावा
ठगवाक साधन
तेसर आँखि

475. उठा पटक
समाचार माध्यम
नेता घायल

476. भावूक बनू
प्रेमक बयार मे
बंधन तोड़ू

477. चावूक मारू
डरे भूत परए
घोड़ा भागल

478. चिकनी चाची
माय बिन ममता
छुलाहि मौसी

479. देव गनाह
पीपर झाड़ै फूल
हवा उठल

480. धन दौलत
कफन बिन लाश
माटि मिलल

481. कर्म खराप
तमघैल फूटल
मूर्ख धनिक

482. हाथी सवाप
गदहा सँ व्यापार
घोड़ा दौगल

483. विद्यवा प्रेम
समाज लुलुआवै
जन सेवक

484. ईद मुबारक
रमजान पावनि
नव पहिरू

485. हाँड़ी वासन
मनसे घर छल
छुअल गेल

486. झाड़ विलहै
चौरकाँटी बाढ़नि
निपत्ता भेल

487. सबला नारी
पुरूष डेर एल
पाछु घेलक

488. रामक नामे
सबरी चिखै बैर
आत्म सम्मान

489. सोना आखर
हीरा अमोल भेल
चानी पातर

490. जय जवान
बेरोजगारी दौड़
जय किसान

491. प्रीतम प्यारी
विआहक बंधन
निचैन भेल

492. अप्पन लोक
खगताक समय
दूर भ' गेल

493. मुर्गा कटल
खेवैया भेल खुश
मुर्गी भागल

494. भूतक वास
भ' गेल घरहंज
घराड़ी बेचू

495. सेनाक भर्त्ती
लोकक भीड़ देखू
युवाक जोश

496. उमेर कम
प्रेमक जाल बुनि
माय बनल

497. नाचक स' ख
छनकैत पायल
चुम्मा खराप

498. अपील भेल
केसक सुनवाई
जीत भेटल

499. फूसक घर
आगि लागि जरल
पानि ल' दौगू

500. कोठा बनाउ
घर छोड़ि के भागू
भूकम्प भेल

501. दोगला बीया
उपजा बढ़ाओल
पाई कमाउ

502. हीट विकेट
देखनिहार शान्त
मैच हारल

....

<u>ताँका (TANKA)</u>

1. दलाल बिन
काज नै भ' पबैए
सरकार बदलू
नवका पीढ़ी सोचू

2. अकाल मृत्यु
दुर्धटना भ' गेल
सचेत रहू
पैदल बाट चलू

3. ताम झाम नै
यथार्थ के देखाउ
काज हएत
कल्पना ने नै डुबू
जागल काज करू

4. वासना रोकू

5. युगल जोड़ी

6. सूखल वीया

प्रेम विआह डर
सेनुर दान
समाज पकड़त
पुरने रीति काज

उमेरक प्रवाह
विआह भेल
समाज नै छोड़त
रेवाज के बदलू

निरारे नोकसान
विहनि बागु
पानिक हाहाकार
सीक पटै पकड़ू

7. आतुर मन
टोका टोकी बढ़ल
खगता पुर
नव चलन बुझि
मोन मारि के रहू

8. संपति खाक
अगिलगी कारण
ऐंठन ऐछे
पुरखा नाम पर
नै दियौ तिलांजलि

9. काज चलय
ठेठपनी खातिर
पूत मरय
जजाति उपटल
नाम वाँचल ऐछ

10. दिशा विहिन
रोजगार पातर
पेट भरय
उमकैत रहल
चिन्ता कोन बातक

11. मौलवी भागि
मकतव दौगल
टोपी विहिन
ऐरयाशी के अड्डा
आतंकीक जोगार

12. मन्दिर बन्द
धरती नीचाँ ओजार
धर्मक आढ़
भारतीयता खत्म
स्वर्गक देखै बाट